॥ ॐ श्रीवीतरागाय नमः ॥

भक्तामर स्तोत्रम् ।

शब्दार्थ, अन्वार्थ, भावार्थ और भाषा पाठ
कठिन शब्दों के अर्थ सहित ।

जिसको

हकीम ज्ञानचन्द्र जैनी ने छपवाया

JAIN RELIGIOUS TRACTS SERIES
No. 51.

सन् १९१२ ई० । वीर २४३८

मूल्य =) मिलने का पताः-
हकीम ज्ञानचन्द्र जैनी मालिक दिगम्बरजैनधर्म
पुस्तकालय लाहौर ।

पञ्जाब एकानोमीकल यन्त्रालय लाहौर में प्रिण्टर
लाला लालमन जैनी के अधिकार से छपो ।

हक स्वाधीन रक्खा है और कोई न छापे ।